टैंकर से पानी लेने को लगी भीड़। जागरण

टैंकरों से जलापूर्ति कर बुझा रहे प्यास

- पत्थरकटा चौराहे के इलाके में आई समस्या
- तपिश बढ़ने से शहर में पेयजल संकट गहराया

फतेहपुर, जागरण संवाददाता : आसमान से बरस रही गर्मी के असर से धरती पर पानी का हाहाकार मचना शुरू हो गया है। गांवों की कौन कहे शहर में पेयजल की समस्या से लोग जूझ रहे हैं। एक-एक बाल्टी पाने के लिए लोगों को जूझना पड़ रहा है। पालिका ने विकल्प अपनाते हुए टैंकरों के जरिए पानी मुहैया कराने की योजना को अमल में लिया है। शहर की पौने तीन लाख की आबादी में दर्जनों मुहल्ले पानी के संकट से जूझ रहे हैं। लोगों को जरूरत के मुताबिक पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी के लिए लोगों को रतजगा करने पड़ रहे हैं। हैंडपंप से पानी के जुगाड़ में लोगों को पेयजल के लिए जूझना पड़ रहा है। बीते दिन पालिका बोर्ड की बैठक में जब मामला उठा तो पालिका की नींद टूटी। पेयजल संकट से निजात दिलाने के लिए टैंकर का सहारा लेना पड़ा। पालिका प्रशासन जलकल से टैंकर में पानी भर कर मुहल्ले में खड़ा करता है। लोग जरूरत के मुताबिक बाल्टियों से पानी घरों में ले जाते है। मुहल्ले के रामसजीवन, राम प्यारे, सईद, अख्तर आदि ने बताया कि समस्या बीते छह महीनों से परेशान किए हुए थे। इन दिनों तो घरों में लगी टोटियां सूखी हुई हैं। जलकल अभियंता गौरी शंकर पटेल ने बताया कि समस्या के निदान के रास्ते बोर्ड बैठक में खोजे जाने के निर्देश दिए हैं। त्वरित राहत दिलाने के लिए टैंकर से जलापूर्ति की जा रही है। लोगों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

शहर में भूगर्भ जलस्तर गिर जाने से नलकूपों ने पानी देना बंद किया है। जिसके लिए और अधिक नीचे तक बोरिंग जैसे विकल्पों पर मंथन हो रहा है। शहर के कई मुहल्लों के नलकूपों को रिबोर कराने के लिए जल निगम को पत्र लिखा गया है।